पाठ-योजना

विषय : **संस्कृत**

दिनाँक :..... उपविषय : **गद्य** कालांश :.....

कक्षा :..... प्रकरण : **आश्रम** अवधि : .....

विद्यालय का नाम :.....

सामान्य उद्देश्य	**1**-छात्रों को संस्कृत गद्य खण्डों का शुद्ध उच्चारण वाचन की योग्यता प्रदान करना।
	2-छात्रों को नवीन शब्दावली का ज्ञान कराकर उनके शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
	3-छात्रों को पाठगत भावों और विचारों को ग्रहण करने के योग्य बनाना।
	4-छात्रों का चारित्रिक एवं शैक्षिक विकास करना।
	5-छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
	6-छात्रों की तर्कशक्ति एवं विचार शक्ति का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य	
ज्ञानात्मक	1.छात्रों को आश्रम प्रत्यय का ज्ञान कराना।
	2.छात्रों को आश्रम पाठ के अन्तर्गत आने वाले कठिन शब्दों के शुद्ध उच्चारण का ज्ञान कराना।
बोधात्मक	1-छात्रों में आश्रम पाठ को सुनकर एंव पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता विकसित करना।
	2-छात्रों को उक्त गद्य खण्ड के केन्द्रिय भाव एवं विचारों को ग्रहण करने के योग्य बनाना।
	3-छात्रों को उक्त गद्य खण्ड में आये हुये पदों एवं सूक्तियों का प्रसंगानुकूल अर्थ ग्रहण करने की योग्यता प्रदान करना।
कौशलात्मक	1-उच्चारण तत्वों को ध्यान में रखकर उक्त गद्य खण्ड के शुद्ध वाचन का कौशल उत्पन्न करना।
	2-छात्रों में उक्त गद्य खण्ड को समझकर उसके अर्थ को सरल भाषा में लिखने की कुशलता उत्पन्न करना।

सहायक सामग्री	एक आश्रम का प्रतिरूप।
पूर्व ज्ञान	छात्रों ने कुछ पौराणिक कथायें सुनी हुयी हैं जिनके आधार पर वे आश्रम से सम्बन्धित सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना	**छात्राध्यापक कथन**	**छात्र प्रतिक्रिया**
	प्र0.1.अयोध्या नगरी क्यों प्रसिद्ध हैं?	उ0-भगवान राम की जन्म स्थली है।
	प्र0.2.भगवान राम के गुरू का क्या नाम था?	उ0-गुरू वशिष्ठ।
	प्र0.3.गुरू वशिष्ठ ने उनको कहाँ शिक्षा दी थी?	उ0-अपने आश्रम में।
	प्र0.4.आश्रम के विषय में आप लोग और क्या जानते हैं?	उ0-छात्र अस्पष्ट उत्तर देते हैं। समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन	बच्चों आश्रम एक शान्त एवं मनोरम स्थान होता है और वहाँ पर ऋषि मुनि निवास करते है और आज की कक्षा में हम 'आश्रम' नाम पाठ के अन्तर्गत आश्रम के सम्बन्ध में ही अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण	पठन पाठन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पाठ को दो अन्विति में पढ़ाया जायेगा। अन्विति 1. अस्मांक.....ददति। अन्विति 2. तस्या.....भवेत्।

<u>अन्विति - 1</u>

अस्माकं प्रदेशस्य सीतापुरजनपदे नैमिषारण्यम प्राचीन तीर्थस्थलम् अतीव प्रसिद्धम् अस्ति। तत्र पुरा काले एकस्मिन् आश्रमे मुनयः, गुरूवः, कवयः, छात्राश्च निवसन्ति स्म। आश्रमश्च विशाले परिसरे अश्वत्थ-वट-निम्बाशोक-वृक्षाणां गहना छाया परित्याप्तासीत्। तत्र फलशालिनः आम्रामलकः-पनस-पेरूवृक्षा अपि विपुलाः आसन। एभि वृक्षैः तत्र पर्यावरणम् अत्यन्तं शुद्धमासीत्, येन शीतलाः वायवः मन्दं-मन्दं निरन्तरम् वर्षति स्म। इदानीमपि तस्मिन् आश्रमे धेनवः बलीवर्दाः अश्वाः अन्ये च पशवः स्वच्छन्दं चरन्ति। वृक्षेषु कपीनां कूर्दनम्, चटकानां कूजनम्, मयुराणां नर्तनम् च दर्शकेभ्यः आनन्दं ददति।

आदर्श वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका उचित आरोह अवरोह एवं विरामादि चिन्हों को ध्यान में रखते हुए शुद्ध उच्चारण के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेगा/करेगी।

अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका कतिपय छात्रों से शुद्ध अनुकरण वाचन करवाने का प्रयास करेगा/करेगी। कक्षा के शेष छात्र अपनी-अपनी पुसतकों में अनुकरण करेंगे।

उच्चारण संशोधन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका अनुकरण वाचन के समय छात्रों द्वारा की गई उच्चारण सम्बन्धी त्रुटियों का संशोधन करवायेगा/करवायेगी।

बोध प्रश्न	छात्राध्यापक क्रिया
	प्र0.1. प्रस्तुत पंक्तिषु कस्य परिचय दतः?
	प्र0.2. प्रस्तुत पंक्तिषु लेखकः कथं आश्रमस्य विवरणः करोति?
	प्र0.3. त्वं आश्रमाः कः गृहणन्ति?

शब्द व्याख्या	शब्द	अर्थ	युक्ति	व्याख्या
1.	अश्वत्य	पीपल का वृक्ष	प्रदर्शन विधि	छात्राध्यापक पीपल के वृक्ष से सम्बन्धित चित्र प्रदर्शित करते हुए अर्थ पूछेगा।
2.	पनस	कटहल	चित्र द्वारा	छात्राध्यापक छात्रों को कटहल का चित्र प्रदर्शित करते हुए अर्थ पूछेगा।
3.	परित्याप्तासीत्	चारों ओर फैला हुआ	सन्धि विच्छेद द्वारा	परित्याप्त + आसीत्

लेखन एवं निरीक्षण कार्य	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका श्यापपट् पर लिखित कार्य को अपनी-अपनी अभ्यास पुस्तिकाओं में उतारने को कहेगा/कहेगी। छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका स्वयं कक्षा का घूम-घूम कर विधिवत् निरीक्षण करेगा/करेगी।

मौन वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका छात्रों को पाठ के विचारों को आत्मसात् करने हेतु पुनः ध्यानपूर्वक मौन रहकर वाचन करने को कहेगा/कहेगी।

विचार (विश्लेषणात्मक प्रश्न)	पाठ के गृहीत विचारों की जाँच के लिये छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगा/पूछेगी -
प्र0.1.	वृक्षेषु कस्य कूर्दनम आनन्दं ददाति?
उ0-	वृक्षेषु कपिनां कूर्दनम् आनन्दं ददाति।
प्र0.2.	आश्रमे के निवसन्ति?
उ0-	आश्रमे ऋषयः, मुनयः, गुरूवः, कवयः छात्राः निवसन्ति।
प्र0.3.	आश्रमे केन पशवः चरन्ति?
उ0-	आश्रमे धेनवः, बलीवर्दा अश्वाः अन्ये च पशवाः चरन्ति।

अन्विति - 2

तस्याश्रमस्य समीपे गोमती नदी प्रवहति। तस्याः निर्मलं जलं सर्वे आश्रमवासिनः पिवन्ति स्म। आश्रमे पशवः पाक्षिणश्च विरोधं विहाय एकस्मिन् घट्टे पानीयम् पिवन्ति स्म, एकत्र वसन्ति स्म, तत्रैव खादन्ति स्म च। तत्र छात्राणां कृते एते नियमाः आसन् प्रातः सूर्योदयात पूर्वम् उत्थातत्यम् ,नदयां स्नानं कर्तव्यं, सन्ध्यावन्दनम् करणीयम् ,ईश्वरः नमनीय सहैव खादनीयं ततः पठनाय कक्षायां गन्तत्यमं्। एतान् आश्रमनियमान् सर्वे छात्राः सम्यक् पालनं कुर्वन्तिः आसन्।

सम्प्रत्यपि आश्रमोऽयं छात्रेभ्यः श्रेष्ठं संस्कारं प्रयच्छति। तत्र जातिगतं भेदभावं विना सर्वे निवसन्ति। स्वास्थ्य संवर्धनाय तत्र व्यायामस्य, योगस्य प्राकृतिक चिकित्सायाश्च शिक्षणं प्रचलति। स च आश्रमः त्यागं तपस्यां परोपकाराम् उदारतां च शिक्षयति। एवञ्च एतादृशः आश्रम इदानीं सर्वत्र भवेत्।

आदर्श वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका उचित आरोह अवरोह एवं विरामादि चिन्हों को ध्यान में रखते हुए शुद्ध उच्चारण के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेगा/करेगी तथा कक्षा के छात्र अपनी-अपनी पुस्तकों में उसका अनुसरण करेंगे।

अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका कक्षा के कतिपय छात्रों से पाठ का शुद्ध उच्चारण के साथ अनुकरण वाचन का प्रयास करवायेगा/करवायेगी। कक्षा के शेष छात्र अपनी-अपनी पुस्तकों में उसका अनुसरण करेंगे।

उच्चारण संशोधन	अनुकरण वाचन के समय छात्रों द्वारा किये गये अशुद्ध उच्चारण का छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका श्यामपट् की सहायता से शुद्ध कराने का प्रयास करेगा/करेगी।

बोध प्रश्न	प्र0.1. आश्रमे पशवः, पक्षिणः के निवसन्ति?
	प्र0.2. आश्रमस्य जीवनं पञ्चवाक्यानि लिखत।
	प्र0.3. आश्रमस्य छात्रान दिनचर्याः द्विवाक्यानि लिखत्।
	प्र0.4. फलदायकानां पञ्चवृक्षाणां नामानि लिखत।

कठिन शब्द व्याख्या	**शब्द**	**अर्थ**	**युक्ति**	**व्याख्या**
	1. घट्टे	नदी का किनारा	वाक्य प्रयोग	समस्त पशवः एकस्मिन् घट्टे जलं पिबन्ति।
	2. विहाय	छोड़कर	वाक्य प्रयोग	पशुः, पक्षिणाः परस्पर विरोध विहाय सम्मिल्य निवसन्ति।
	3. सम्प्रत्यपि	इस समय भी	सन्धि - विच्छेद	सम्प्रति + अपि।

लेखन एवं निरीक्षण कार्य	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका श्यामपट्ट पर लिखित कार्य को अपनी-अपनी अभ्यास पुस्तिकाओं में उतारने को कहेगा/कहेगी तथा स्वयं कक्षा का घूम-घूम कर निरीक्षण करेगा/करेगी।

मौन वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका पाठ के विचारों को आत्मसात करने हेतु पुनः ध्यानपूर्वक पाठ का मौन रहकर वाचन करने का निर्देश देगा/देगी।

विचार-विश्लेषणात्मक प्रश्न	प्र0.1. आश्रमे स्वदन्दं के के विचरन्ति?
	प्र0.2. स्वास्थ्यसंवर्धनाय आश्रमे किं किं भवति?
	प्र0.3. छात्राणां कृते आश्रमे के के नियमः आसन्?
	प्र0.4. आश्रमः किं किं शिक्षयति?

पुनः आदर्श वाचन	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका एक बार पुनः सम्पूर्ण पाठ का शुद्धता के साथ वाचन करेगा/करेगी।

पुनरावृत्ति प्रश्न	प्र0.1. प्रस्तुत पाठे कस्य आश्रमे वर्णनः अस्ति?
	प्र0.2. आश्रमस्य समीपे का नदी प्रवहति?
	प्र0.3. आश्रमे भेदभावं विना के निवसन्ति?
	प्र0.4. अस्माकं प्रदेशस्य कस्मिन जनपदे नैमिषारण्यम् अस्ति?
	प्र0.5. काले काले कः वर्षति स्म?
	प्र0.6. नैमिषारण्यम् का शुद्ध उच्चारण करिये।
	प्र0.7. पक्षिणश्च का सन्धि विच्छेद करके दिखाइये।

गृहकार्य	छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका छात्रों को आश्रम विषय पर संस्कृत में दस वाक्य लिखकर लाने को कहेगा/कहेगी।